सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 325 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 5 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

लोगों की आवाज को दबाती है मोदी... 2 | 2024 को लेकर एक्शन मोड में... 3 | सरकार ने गरीब को मरने के लिए... 7

समय सीमा पर काम खत्म कर लेना काफी नहीं है, समय सीमा से पहले काम खत्म होने की अपेक्षा रखनी चाहिए।

-धीरूभाई अंबानी

हल्द्वानी अतिक्रमण मामला : 50 हजार लोगों को राहत

तोड़फोड़ पर 'सुप्रीम' रोक

सर्वोच्च न्यायालय ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

» 7 दिन में जगह खाली कराने का आदेश को बताया गलत

» सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे और उत्तराखंड सरकार को जारी किया नोटिस, 7 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हल्द्वानी। आज का दिन हल्द्वानी के 50 हजार लोगों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें उसने रेलवे को सात दिन में अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इस अतिक्रमण में लगभग 50 हजार लोगों के सर से उनका आशियाना उजड़ जाता है और वो सड़क पर आ जाते। जस्टिस संजय कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने फैसले में कहा कि 7 दिन में अतिक्रमण हटाने का फैसला सही नहीं है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय कौल ने कहा कि इस मामले को मानवीय नजरिए से देखना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इतने सारे लोग लंबे समय से वहां रह रहे हैं। उनका पुनर्वास तो जरूरी है। 7 दिन में ये लोग जमीन कैसे खाली करेंगे? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 7 दिन में 50 हजार लोगों को रातों-रात नहीं उजाड़ सकते। जस्टिस कौल ने कहा कि मामले में समाधान की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी।

दरअसल, हल्द्वानी में करीब 4400 हजार परिवारों पर रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करने का आरोप हैं। इस मामले में हाईकोर्ट ने दिसंबर 2022 में रेलवे को अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद करीब 50 हजार लोगों के आशियाने पर बुलडोजर चलने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन अब अगली सुनवाई तक इन लोगों को राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब उस जमीन पर कोई कंस्ट्रक्शन और डेवलपमेंट नहीं होगा। हमने इस पूरी प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है। केवल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई है। दरअसल, उत्तराखंड हाई कोर्ट ने 20 दिसंबर को रेलवे को निर्देश दिया कि एक हफ्ते का नोटिस देकर भूमि से अवैध अतिक्रमणकारियों को तत्काल हटाया जाए। इस मामले में हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश की अगुवाई में वहां के रहने वाले लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके बाद प्रशांत भूषण ने भी एक याचिका दाखिल की।

"यह मामला मानवीय मामला है। ऐसे किसी को जगह खाली करने के लिए कैसे कह सकते हैं?

जस्टिस संजय किशन कौल

सड़क पर आ जाते 4 हजार से ज्यादा परिवार

हल्द्वानी में अनधिकृत कॉलोनियों को हटाने के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। रेलवे की इस जमीन पर अवैध कब्जा हटाने के विरोध में 4 हजार से ज्यादा परिवार हैं। इनमें ज्यादातर मुस्लिम हैं। कोर्ट ने कहा कि उत्तराखंड सरकार का स्टैंड क्या है इस मामले में? शीर्ष अदालत ने पूछा कि जिन लोगों ने नीलामी में जमीन खरीदी है, उसे आप कैसे डील करेंगे? लोग 50/60 वर्षों से वहां रह रहे हैं। उनके पुनर्वास की कोई योजना तो होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उस जमीन पर आगे कोई निर्माण नहीं होगा। पुनर्वास योजना को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ऐसे स्कूल, कॉलेज और अन्य ढांचे हैं जिन्हें इस तरह नहीं गिराया जा सकता है।

यूपी से बिहार तक चली 'यात्रा' की राजनीति

» प्रदेश में 'भारत जोड़ो यात्रा' के अंतिम दिन देखने को मिला लोगों का हुजूम

» बिहार में निकली कांग्रेस, नीतीश और प्रशांत किशोर की यात्राएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में इस समय यात्राओं के जरिए राजनीति को गति दी जा रही है। एक ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज उत्तर प्रदेश में अंतिम दिन अपने सफर पर निकली। तो वहीं दूसरी ओर यूपी के पड़ोसी राज्य बिहार में भी आज का दिन यात्राओं के नाम रहा। बिहार में तीन यात्राएं देखने को मिलीं। एक तरफ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे बिहार में भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की, तो वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी पश्चिमी चंपारण से अपनी समाधान यात्रा का आगाज किया। इसके अलावा लगभग 3 महीने पहले से चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी जन सुराज पार्टी की जमीन बनाने के लिए यात्रा पर हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा आज यूपी में अंतिम दिन शामली जिले के एलाम गांव से शुरु हुई। घने कोहरे और ठिठुरन भरी सर्दी के बीच अपनी अगली मंजिल की तरफ रवाना हुई इस यात्रा में जन समूह की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर ठंड में भी सियासत गरमाई रही। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तक राहुल व कांग्रेस पर हमलावर रहे। तो वहीं राहुल ने भी केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। इससे इतर प्रदेश में राहुल की यात्रा को अन्य राजनीतिक दलों ने भी समर्थन दिया।

यात्रामय हुआ बिहार

दूसरी ओर आज बिहार में भी कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बांका से भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की। बिहार में यात्रा 20 जिलों से होकर गुजरेगी। जिसमें करीब 12 सौ किलोमीटर का सफर तय किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इसमें किसी अन्य पॉलिटिकल पार्टी को शामिल नहीं किया जाएगा। इस दौरान करीब 5 लाख से अधिक लोग भारत छोड़ो यात्रा के दौरान शामिल होंगे। दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पश्चिमी चंपारण से अपनी समाधान यात्रा को शुरू करके प्रदेश में अपनी राजनीतिक भविष्य के लिए समाधान तलाशेंगे। इसके अलावा प्रशांत किशोर पहले से ही जन सुराज पार्टी की जमीन बनाने के लिए यात्रा पर हैं।

सांध्य दैनिक 4PM

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर गरमाई उत्तर प्रदेश की सियासत

लोगों की आवाज को दबाती है मोदी सरकार : राहुल

» अग्निपथ योजना पर कहा- 4 साल बाद जूता मारकर निकाल देगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इस समय उत्तर प्रदेश में हैं। ऐसे में बागपत पहुंची यात्रा के दौरान राहुल ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल ने मोदी सरकार पर लोगों की आवाज को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह विपक्ष को बोलने नहीं देती।

उन्होंने मीडिया पर भी शिकंजा कसे होने की बात कही। इस दौरान राहुल ने अपनी टीशर्ट को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि ये मेरी टीशर्ट पर बात करते हैं कभी गरीब की बात नहीं करते कि गरीब बच्चों के पास कपड़े क्यों नहीं है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमने पार्लियामेंट में बोलने की कोशिश की तो माइक ऑफ कर देते हैं। जैसे घोड़े की लगाम होती है न वैसे ही इन प्रेस वालों के ऊपर है। जैसे ही ये बोलते है इनका लगाम खींच लेते हैं लेकिन ये मत सोचिए कि ये बोलना नहीं चाहते। कुछ मुझसे कहते है कि हम बोलना तो चाहते है पर हम डरते हैं क्योंकि हमें नौकरी भी तो करनी है।

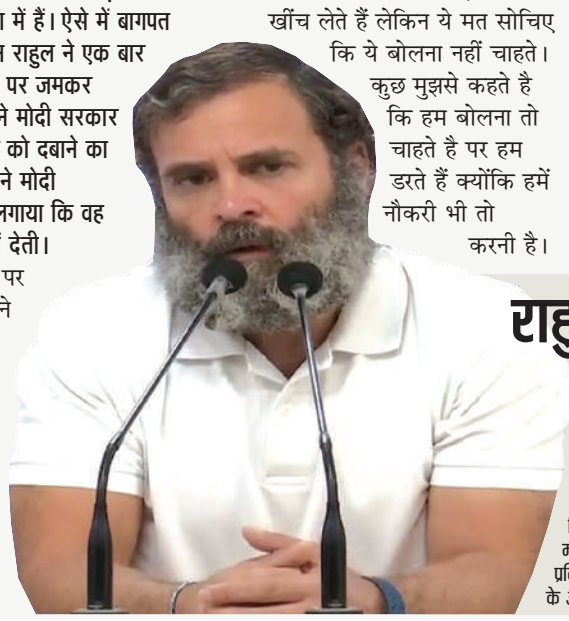

ये अरबपतियों का कर्जा माफ करेंगे, किसानों का नहीं

राहुल ने कहा कि ये लाखों-करोड़ों रुपए का अरबपतियों का कर्जा माफ कर देंगे। लाखों-करोड़ रुपए एक मिनट में माफ कर देंगे और किसान भूखा मर जाए, उसका कर्जा ये माफ नहीं कर सकते। अगर नफ़रत फैल जाएगी, इस देश का फायदा नहीं होगा। राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि युवा इंजीनियरिंग करके पकौड़ा तल रहे हैं और रोजगार देने वाली रेलवे को सरकार बेच रही है। अग्निपथ योजना को लेकर भी मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए राहुल ने कहा कि देश की रक्षा करने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए नरेंद्र मोदी ने कहा पंद्रह साल की बजाय इन्हें छह महीने की ट्रेनिंग दो, चार साल रखो फिर जूता मार कर निकाल देंगे। ये नया हिंदुस्तान है।

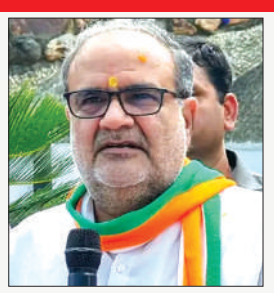

राहुल मुजफ्फराबाद तक ले जाएं अपनी यात्राः भूपेंद्र

लखनऊ। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस पर लगातार हमलावर है। अब पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी ने अपनी यात्रा का नाम भारत जोड़ो दिया है, तो क्या वह अपनी यात्रा मुजफ्फराबाद तक ले जाएंगे। उनके परिवार के लोगों के शासन के समय ही पाकिस्तान ने उस पर कब्जा किया था। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमेशा भारत को तोड़ने वाली शक्तियों के साथ खड़ी है। इससे पहले चौधरी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करती रही है। चौधरी ने चुनौती भी दी कि राहुल ने अपनी यात्रा का नाम भारत जोड़ो रखा है तो क्या वह अपनी यात्रा को मुजफ्फराबाद तक ले जाएंगे। मुजफ्फराबाद पाक अधिकृत कश्मीर का एक जिला है, जो झेलम नदी के किनारे बसा हुआ है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए विपक्षी एकता की कोशिशों पर निशाना साधते हुए चौधरी ने कहा कि कांग्रेस, बीएसपी, सपा और रालोद सभी पार्टियां एक हैं। उनका सिर्फ अपने विकास का एजेंडा है, जबकि भाजपा का एजेंडा देश के विकास का है। लोगों का भरोसा पीएम मोदी के साथ है।

राहुल की टीशर्ट पर पाठक का तंज, कहा- आम इंसान नहीं

लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी का टी शर्ट पहनना कई लोगों को हैरान कर रहा है। अब उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी इस पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वे खुद ये समझने का प्रयास कर रहे हैं कि राहुल कौन सा विटामिन लेते हैं। पाठक कहते हैं कि हम मनुष्य हैं, उनको ईश्वर ने इस तरह की प्रतिरोधक क्षमता नहीं दी है। हम लोग हर मौसम के अनुसार अपने शारीरिक प्रकृति से बचाने के लिए बनावट के अनुसार कपड़े पहनते हैं। लेकिन आज एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में पढ़ा लिखा है कि राहुल गांधी किस प्रकार के विटामिन लेते हैं, या कोई जीवाणु हैं, यह विषय मैंने कई लोगों से चर्चा की है कि क्यों ऐसा हुआ है कि ठंड में आदमी बिना कपड़ों को कैसे घूम रहा है। राहुल को मनुष्य न मानने पर पाठक बोले कि राजा महाराजा जनता से विपरीत काम करते हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि वह आम इंसान नहीं हैं। किसी भी बड़े अधिकारी के दफ्तर में जाएं तो वह 14 डिग्री और 15 डिग्री टेंपरेचर कर बैठा रहता है जबकि 24 या 25 में भी काम चल सकता है लेकिन वह तब भी गर्मी के सूट और टाई लगाए बैठा रहता है। खुद स्वास्थ्य मंत्री होने पर बोले हमने कई चिकित्सा जगत के लोगों से बात की है कि जो हमने पढ़ा है, इतने ठंड के मौसम में जब पारा 4 डिग्री 2 डिग्री पर है, सभी लोग जैकेट और कोट पहनकर मफलर लगाकर घूम रहे हैं तो यह टीशर्ट में कैसे घूम रहे। इस शोध की रिपोर्ट जैसे ही मेरे सामने आएगी मैं आपको बताऊंगा।

मुझे उम्मीद है मुख्यमंत्री धामी राज्य के लोगों की रक्षा करेंगे : एसटी हसन

» हल्द्वानी अतिक्रमण मामले के पीड़ितों का सपा ने किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हल्द्वानी/देहरादून। उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी (सपा) का एक प्रतिनिधिमंडल हल्द्वानी इलाके में उन लोगों का समर्थन करने के लिए पहुंचा जो रेलवे की अतिक्रमण की गई जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से भेजे गए सपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले मुरादाबाद के सांसद एसटी हसन ने रेलवे के दावे पर सवाल उठाया। हसन ने स्थानीय निवासियों से मुलाकात के तुरंत बाद कहा कि जमीन रेलवे की कैसे है? उसने इसे किससे खरीदा था? लोग 100 से अधिक साल से इस पर रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने क्षेत्र में लोगों को अस्पताल, स्कूल और सीवर लाइन जैसी सुविधाएं मुहैया कराई हैं। हसन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के लोगों की रक्षा करेंगे।

सपा के प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश के अताउर रहमान, वीरपाल सिंह, एसके राय, सुल्तान बेग और अरशद खान शामिल थे।उनके साथ अब्दुल मतीन सिद्दीकी और शोएब अहमद सहित स्थानीय पार्टी नेता भी थे। रेलवे के मुताबिक उसकी भूमि पर 4,365 लोगों ने अतिक्रमण किया हुआ है। हालांकि विपक्षी दलों का दावा है कि बस्ती में निवासियों की संख्या बहुत अधिक है।

मुंबई में सीएम योगी का रोड शो एक 'राजनीतिक कारोबार': संजय राउत

» यूपी में फिल्म उद्योग स्थापित करने की योजना का स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंबई में रोड शो करने की जरूरत पर सवाल उठाया और इसे 'राजनीतिक कारोबार' करार दिया। मुंबई की दो दिवसीय यात्रा पर आदित्यनाथ 10 फरवरी से उत्तर प्रदेश में होने वाली तीन दिवसीय वैश्विक निवेशकों की बैठक के लिए निवेश आकर्षित करने के लिए आज एक रोड शो को हरी झंडी दिखाएंगे।

राउत ने कहा कि यूपी में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए योगी का स्वागत है, लेकिन उन्हें मुंबई में रोड शो करने की क्या जरूरत है? यह कारोबार की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है और इसे बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस अगले पखवाड़े दावोस (स्विट्जरलैंड) में आगामी विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भाग लेंगे।

राउत ने कहा कि क्या आप शिंदे-फडणवीस दावोस की सड़कों पर रोड शो करने की उम्मीद करते हैं, फिर योगी मुंबई में रोड शो करने क्यों आते हैं? उन्होंने कहा कि अगर योगी यूपी राज्य में फिल्म उद्योग स्थापित करने को इच्छुक है, तो इसका स्वागत किया जाएगा।

बेरोजगारी की वजह से लड़कों की नहीं हो रही शादी : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने केंद्र और महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। बेरोजगारी के मुद्दे पर पवार ने दोनों सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। नौकरी न होने की वजह से विवाह योग्य युवकों की शादी नहीं हो पा रही है।

वहीं, बीजेपी सरकार इन समस्याओं से मुंह फेरे हुए है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जन जागरण अभियान को हरी झंडी दिखाने से पहले पवार ने कहा कि समुदायों के बीच दरार पैदा की जा रही है, दोनों सरकारें महंगाई और बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने की पूरी कोशिश कर रही है। पवार ने कहा कि देश में भुखमरी के मुद्दे का समाधान संभव है क्योंकि हमारे किसानों ने उत्पादन बढ़ाया है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग किसानों को उचित पारिश्रमिक देने के लिए तैयार नहीं हैं।

2024 को लेकर एक्शन मोड में अखिलेश

समाजवादी पार्टी से हर धर्म और वर्ग के लोग जुड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। अभी इन चुनाव में एक साल से अधिक का समय बाकी है, मगर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। एक ओर कांग्रेस राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के जरिए चुनावी समीकरण साध रही है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा भी अलग-अलग राज्यों में अपने अभियान चला रही है और बैठकों का दौर आयोजित कर रही है। इधर, उत्तर प्रदेश में भी विपक्ष में बैठी समाजवादी पार्टी आगामी आम चुनाव के लिए अपनी जमीन को मजबूत करने में जुट गई है। पिछले लोकसभा चुनाव के परिणाम सपा के लिए अच्छे नहीं रहे थे, ऐसे में पार्टी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही है। इसको लेकर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव अभी से ऐक्शन मोड में आ गए हैं।

अक्सर ड्राइंग रूम की राजनीति करने का आरोप झेलने वाले अखिलेश अब सड़क पर उतर कर लोगों के बीच जाकर अपनी बात को जनता तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं मैनपुरी उपचुनाव में मिली बंपर जीत भी अखिलेश और सपा के लिए किसी टॉनिक से कम नहीं है। यही वजह है कि लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में मिली हार से रामपुर के गंवाने के बाद भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मुश्किल होने वाली है। 2024 की तैयारी पर अखिलेश का कहना है कि सपा की रणनीति लोगों की इच्छाओं और चाह को आवाज देना है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने विरासत में समाजवादी आंदोलन दिया है। उन्होंने बहुत संघर्ष से समाजवादी पार्टी बनाई। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी हमें सेक्यूलर पॉलिटिक्स देकर गए।

हम सभी के साथ खड़े हैं

जातिवादी राजनीति- मुस्लिम और यादव की राजनीति के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी का यह नैरेटिव है और जो हमारी विपक्षी पार्टी है, मुस्लिम और यादव पार्टी की ताकत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी से हर धर्म और वर्ग के लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमें कमजोर दिखाने के लिए एमवाई का फॉर्म्यूला दिखाया जाता है। सपा प्रमुख ने कहा कि हमनें मैनपुरी में 65 परसेंट वोट हासिल किए हैं। अगर हमें इतना वोट मिला है तो क्या यह सिर्फ एमवाई वोट हैं। अखिलेश ने कहा कि एमवाई का मतलब महिलाएं और यूथ है। 2017 और 2022 में बीजेपी की जीत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि आप पीएम मोदी और सीएम योगी की स्पीच निकाल कर देख लीजिए। पीएम ने एक सभा में 25 बार घोर परिवारवादी कहा था। अखिलेश ने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी में परिवारवाद नहीं हैं। अखिलेश ने कहा कि यदि मुझे जनता चुनती है तो उसके लिए मैं दोषी हूं। अखिलेश ने सपा का अध्यक्ष चुने जाने पर कहा कि यह पद नॉमिनेशन से नहीं मिलता है।

हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है भाजपा

प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सीधी टक्कर भारतीय जनता पार्टी से है। ऐसे में भाजपा पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है। भाजपा समाज को बांटती है और वोट हासिल करती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी का संगठन मजबूत है, उनकी जीत में इसका भी अहम रोल होता है। अखिलेश ने कहा कि मतभेद किस दल में नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में बहुत मतभेद हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में थोड़ा सा भी कुछ होता है तो सबको दिख जाता है। अखिलेश ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने कहा कि इस बार परिस्थितियां ऐसी बन गई है कि भाजपा मुकाबला नहीं कर पाएगी।

गठबंधन पर अभी नहीं कोई फैसला

2019 में समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा का गठबंधन कांग्रेस के साथ था। ऐसे में 2024 के आम चुनाव को लेकर भी लोगों के जेहन में ये सवाल आ रहा है कि सपा अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी या कांग्रेस, बसपा या रालोद को साथी बनाकर मैदान में उतरेगी। हालांकि, इस सवाल पर पार्टी अध्यक्ष अखिलेश का कहना है कि ये भविष्य की बात है इस पर कोई फैसला अभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग अभी गठबंधन में हैं, हम लोग उन्हीं को लेकर साथ चल रहे हैं। 2024 में विपक्षी के मोर्चे के लिए अखिलेश ने कहा कि नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव समेत अन्य नेताओं से उनकी बात चल रही है। वहीं 2024 में सपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर अखिलेश ने स्थिति साफ कर दी। पीएम पद का उम्मीदवार बनने को लेकर अखिलेश ने साफ कहा कि मेरा इतना बड़ा सपना नहीं है। अगले साल लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वह लोकसभा का चुनाव जरूर लड़ेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि कन्नौज या कहीं और या किस सीट से चुनाव लड़ना है यह पार्टी तय करेगी।

गहलोत और वसुंधरा का राजनीतिक भविष्य तय करेगा राजस्थान का चुनाव

» आपसी विवाद से जूझ रही हैं दोनों पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साल 2023 को 2024 में होने वाले आम चुनाव के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि इस साल करीब 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन 9 राज्यों में कुछ ऐसे राज्य भी शामिल हैं, जिनके परिणाम पर हर किसी नजर रहेगी और जो 2024 के लिहाज से भी भाजपा और कांग्रेस के लिए अहम होंगे। ऐसे ही राज्यों में शामिल है कांग्रेस की सत्ता वाला राजस्थान। राजस्थान में अभी अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार है। राजस्थान वर्तमान समय में सबसे बड़ा कांग्रेस शासित राज्य है। ऐसे में कांग्रेस हर हाल में राजस्थान को फिर से जीतना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर पांच साल से सत्ता से बाहर भारतीय जनता पार्टी भी इस बार राजस्थान की सत्ता पर अपना कब्जा जमाना चाहेगी। कांग्रेस-भाजपा के अलावा राजस्थान का ये चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के लिए भी काफी अहम है। क्योंकि इस बार के विधानसभा चुनाव इन दोनों ही नेताओं के राजनीतिक भविष्य का भी फैसला करेंगे।

विधानसभा चुनाव इसी साल होने हैं। ऐसे में अब भाजपा-कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सत्ता पर काबिज कांग्रेस के लिए विपक्ष और सरकार की चुनौतियों से इतर पार्टी की अंदरूनी कलह भी एक प्रमुख चुनौती के रूप में सामने है। क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सरकार बनने के समय से ही आपसी मतभेद जारी हैं। इन दोनों के बीच की लड़ाई कई बार खुलकर सामने भी आ चुकी है। ऐसे में कांग्रेस के लिए चुनाव से पहले इससे निजात पाना एक बड़ी चुनौती है। वहीं दूसरी ओर पांच साल से सत्ता में बाहर में भाजपा के अंदर भी सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के बीच तकरार की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती है। ऐसे में बीजेपी के लिए भी राजस्थान की सत्ता को हासिल करना उतना आसान नहीं होगा। बता दें कि 200 विधानसभा सीटों वाले राजस्थान में सरकार बनाने के लिए 101 सीटें हासिल करना जरूरी है। भाजपा-कांग्रेस के अलावा अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के लिए भी ये चुनाव काफी अहम है।

वर्तमान समय में सबसे बड़ा कांग्रेस शासित राज्य है राजस्थान

वसुंधरा के सामने भी अपनों का विरोध

भाजपा सरकार में दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे इस बार चुनाव में फिर से राजस्थान की गद्दी को संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, भाजपा को भी अंदरूनी कलह और गुटबाजी का सामना करना पड़ रहा है। इन पांच सालों के दौरान वसुंधरा राजे का पार्टी में कद घटा है और वो कई बार अपने ही नेताओं के निशाने पर रही हैं। वहीं इस दौरान वो कई बार पार्टी के कार्यक्रमों और बैठकों से भी नदारद दिखी हैं। दरअसल, भाजपा के अंदर वसुंधरा राजे, गजेंद्र सिंह शेखावत, सतीश पूनिया और गुलाबचंद कटारिया खेमे के बीच आपसी खींचतान चलती रहती है। बीजेपी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के प्रभाव से बाहर निकालने की कोशिश में लगी है। यही कारण पार्टी के अंदर राजे के समर्थक और विरोधी खेमे के बीच टकराव ने पार्टी की चिंता बढ़ाई हुई है। पिछले दो दशक से वसुंधरा राजे बीजेपी पार्टी की एकछत्र नेता हैं। ऐसे में इस बाहर उनके सामने भी कई तरह की चुनौतियां होंगी।

अंदरूनी कलह कांग्रेस और गहलोत के लिए चुनौती

कांग्रेस के साथ-साथ 2023 के विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोल गहलोत के लिए काफी अहम हैं। अशोक गहलोत साल 2018 में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य में तीसरी बार सीएम बने थे। लेकिन इस बार का कार्यकाल पिछले दो कार्यकाल की तुलना में काफी उथल पुथल भरा रहा। क्योंकि इस बार गहलोत विपक्ष के अलावा अपनी ही पार्टी के निशाने पर ज्यादा रहे। उनके और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच लगातार आपसी तकरार बनी रही। इस दौरान कई बार दोनों के बीच का ये विवाद काफी हद तक बढ़ गया। 2020 में सचिन पायलट पार्टी से बगावत पर उतर आए थे। हालांकि, एक लंबे सियासी घटनाक्रम के बाद वो पार्टी में बने रहे, मगर उन्होंने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के पद से अपना इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा साल 2022 में भी एक बार फिर सचिन पायलट के मुख्यमंत्री बनने की आवाजें तेज हुईं। इस दौरान गहलोत के गुट के कई विधायकों ने इस्तीफे देकर पायलट के सीएम बनने का विरोध किया। बाद में पार्टी आलाकमान के फैसले के बाद एक बार फिर मामला शांत हुआ। हालांकि, अभी भी दोनों के बीच तकरार जारी है और 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए इससे निजात पाना और दोनों नेताओं के बीच सहमति बना पाना प्रमुख चुनौती होगी। हालांकि इतनी मुश्किलों के बाद भी अशोक गहलोत अगर अपने कार्यकाल के अंतिम चरण की ओर खड़े हैं, तो यह काफी हद तक खेल के पिछले मास्टर के रूप में उनकी अपनी क्षमताओं के कारण है। बाकी विपक्ष भी गहलोत सरकार को बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर घेरती रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारी मंच की मर्यादा का सवाल

एक विचारधारा विशेष से ताल्लुक रखने वाले कुछ लोगों द्वारा इस तरह बार-बार एक महिला मुख्यमंत्री की गरिमा को ठेस पहुंचाया जा रहा है। जोकि कदापि सियासी शिष्टाचार के अनुकूल नहीं है और न लोकतांत्रिक व्यवस्था की मर्यादा के। इसलिए सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन गरिमापूर्ण माहौल में राजनीतिक समीकरणों से इतर होना चाहिए। ताकि देश में माननीय पदों की मर्यादा मजबूती से बनी रहे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मर्यादा है कि केंद्र और राज्य परस्पर मिलकर विकास परियोजनाओं को गति देंगे। राज्यों के विकास में कुछ परियोजनाएं राज्य सरकारें चलाती हैं, तो कुछ केंद्र सरकार। दोनों ही सरकारों को एक-दूसरे से अपेक्षित सहयोग की दरकार रहती है। पर जब केंद्र और राज्य में दो अलग दलों की सरकारें होती हैं, तो अक्सर दोनों के बीच राजनीतिक टकराव देखा जाता है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में यह कुछ अधिक ही देखने में आ रहा है। इसका ताजा उदाहरण हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए रवाना की गई पहली वंदे भारत रेल को हरी झंडी दिखाने के मौके पर दिखा। कार्यक्रम में टीका-टिप्पणी से नाराज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंच पर चढ़ने से इनकार कर दिया और वे नीचे सामने की कुर्सी पर बैठी रहीं। हालांकि उन्हें रेलमंत्री और वहां के राज्यपाल ने मनाने का प्रयास किया, पर वे नहीं मानीं। बताया गया कि वे इसलिए नाराज हो गईं कि उन्हें देख कर भगवा खेमे ने नारे लगाए। इसी राज्य में ऐसा पहले भी हो चुका है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ममता बनर्जी अपनी ऐसे ही नारों के चलते नाराजगी जाहिर करते हुए मंच से नीचे उतर गई थीं।

हालांकि यह कोई अनोखी बात नहीं है, हर राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं के समर्थन और विपक्षी नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करते ही हैं। ममता बनर्जी को अपने राजनीतिक जीवन में ऐसी स्थितियों से न जाने कितनी बार दो-चार होना पड़ा होगा। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे भाजपा कार्यकर्ताओं की नारेबाजी को नजर अंदाज कर देतीं। मगर यह भी सच है कि मर्यादाओं का पालन दोनों तरफ से अपेक्षित होता है। बेशक वह केंद्र सरकार की परियोजना के उद्घाटन का अवसर था, पर उस राज्य की मुख्यमंत्री अगर वहां अतिथि के रूप में आमंत्रित थीं, तो उनका आदर किया ही जाना चाहिए था। फिर वह ऐसा भी मौका था, जब प्रधानमंत्री की मां का निधन हुआ था और सब शोक में थे, तब कार्यकर्ताओं को सियासी खेल से बचने की जरूरत थी। ऐसे माहौल में हुई इस घटना को तृणमूल कांग्रेस अपनी नेता के अपमान के रूप में प्रचारित कर रही है। ऐसा इसलिए भी है कि यह सरकारी कार्यक्रम था ना कि किसी दल या संगठन का निजी था। दसअसल, ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर आक्रामक देखी जाती हैं, उसकी नीतियों और फैसलों पर विरोध जताती रही हैं, इसलिए कुछ संगठन उनके पद की गरिमा भूलकर सियासी हमला करते हैं। यह बात ठीक है कि राजनीतिक समीकरणों के लिए दलगत आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ माहौल तैयार किया जाता है, मगर किसी चुनी हुई राज्य सरकार की मुखिया को देखकर अनुचित नारेबाजी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। और वह भी तब जब देश की चुनी हुई सरकार के प्रधान की मां मौत का गम समूचा देश मना रहा हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनाव प्रक्रिया को एक नई रोशनी

ललित गर्ग

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में अधिकतम यानी शत-प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग हो, इसके लिये देश में चुनाव प्रक्रिया में एक और क्रांतिकारी कदम की दिशा में अग्रसर होते हुए एक नये अध्याय की शुरुआत होने जा रही है, जिसके अन्तर्गत रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरईवीएम) का मॉडल विकसित कर चुनाव आयोग ने महत्त्वपूर्ण पहल की है। चुनावों के दौरान यह मशीन उन घरेलू प्रवासियों के लिए वरदान साबित होगी, जो शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के सिलसिले में अपने चुनाव क्षेत्रों से बाहर रहते हैं।

आरईवीएम को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करने के बाद जो प्रवासी जहां है, वहीं से मतदान कर सकेगा। निश्चित ही इसके लागू होने से मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा एवं लोकतंत्र में जनभागीदारी अधिकतम होने लगेगी। चुनाव आयोग के मुताबिक अपने चुनाव क्षेत्रों से बाहर रहने के कारण करीब 30 करोड़ मतदाता मतदान से वंचित रह जाते हैं। शिक्षा या रोजगार की व्यस्तता के कारण उनके लिए अपने क्षेत्र में पहुंचकर मतदान करना सुविधाजनक नहीं होता। आरईवीएम के जरिए ऐसे मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी, जो भारतीय लोकतंत्र को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बना सकेगा। चुनाव आयोग इस नयी प्रक्रिया एवं नये मॉडल का प्रदर्शन 16 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में करेगा, जिसमें विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को आमंत्रित कर उनके सुझाव और आपत्तियों के लिये खुला मंच प्रस्तुत किया जायेगा। इसे हम भारत की चुनाव प्रक्रिया में एक नये सूरज का अवतरण मान सकते हैं, एक अभिनव एवं क्रांतिकारी दिशा में चुनाव के महाकुंभ को अग्रसर करते हुए इसे अधिक सशक्त एवं प्रभावी बना सकेंगे। चुनाव आयोग की इस शुभ-शुरुआत का स्वागत होना चाहिए।

जिस तरह 1982 में केरल के एक विधानसभा क्षेत्र में पहली बार ईवीएम का प्रायोगिक तौर पर इस्तेमाल करते हुए क्रांति की शुरुआत हुई थी उसी तरह चुनाव प्रक्रिया में आरईवीएम की शुरुआत से चुनाव प्रक्रिया की तस्वीर बदलेगी, मतदाता जहां ज्यादा जागरूक होगा, राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदारी से चुनाव में हिस्सेदारी करेंगे। हालांकि

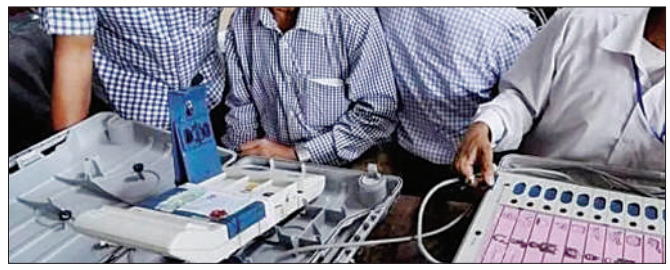

आरईवीएम को चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए आयोग को अभी अनेक संघर्षों, आलोचनाओं, बाधाओं के साथ कई कानूनी, तकनीकी और राजनीतिक अढ़चनों को पार करना है। जिस तरह मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने के प्रस्ताव पर सवाल उठे थे, उसी तरह अब आरईवीएम को लेकर भी विपक्षी दल शंकाएं उठा रहे हैं। लम्बे समय से चुनाव में गिरता मतदान का प्रतिशत चिन्ता का विषय बना हुआ है। वास्तविक लोकतंत्र वही है जिसमें हर व्यक्ति अपने मतदान का उपयोग करते हुए अपने प्रतिनिधि चुने। लेकिन हर व्यक्ति अपने मत का उपयोग नहीं कर पाता, क्योंकि वह अपने मूल स्थान से दूर दूसरे शहरों या कस्बों में रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, पारिवारिक कारणों से होता है। अगर ऐसे लोगों को मतदान में हिस्सेदारी का अवसर दिया जाता है, तो इससे निःसंदेह मत प्रतिशत बढ़ेगा। मगर दिक्कत यह है कि ऐसे लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और वे जहां रह रहे हैं, वहां मतदान केंद्र स्थापित कर पाना कैसे संभव होगा? इस बड़ी बाधा को दूर करना चुनाव आयोग के सम्मुख एक बड़ी चुनौती रही है, वहीं लोकतंत्र में जन प्रतिनिधियों को चुनने में समग्रता एवं बहुसंख्य मतदाताओं के मतों का उपयोग न होना एक अधूरापन है। लोकतंत्र की मजबूती की दृष्टि से यह वाकई चिंताजनक है कि कई चुनाव क्षेत्रों में करीब आधी आबादी की मतदान में सहभागिता नहीं होती। जनतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, जनतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है।

क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए हैं, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरईवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझ भरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

अंधेरे जीवन में रोशनी बांटती एक लिपि

अरुण कुमार कैहरबा

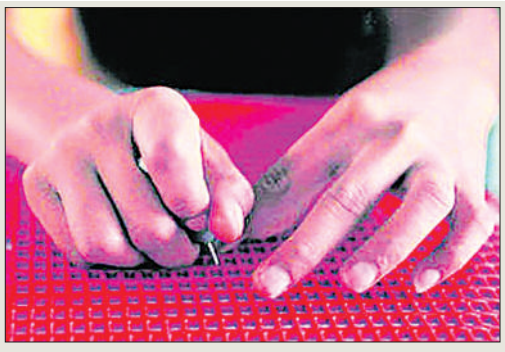

ज्ञान की दौलत सबसे बड़ी चीज है। हमारे देश में कितने ही ऐसे कारक रहे हैं, जिनके कारण बहुत से लोगों के लिए ज्ञान के दरवाजे बंद रहे हैं। उन दरवाजों को खोलने का संघर्ष भी बहुआयामी रहा है। खासकर अशक्तता झेल रहे लोगों के लिए। एक समय था जब लोगों की धारणा थी कि दृष्टिहीन लोग कभी भी पढ़ना नहीं सीख पाएंगे। आम सोच थी कि सिर्फ आंखों से किताब पर लिखे अक्षरों को देख कर ही पढ़ा जा सकता है। लेकिन वैकल्पिक सोच और कार्य करने वाले लोग रास्ता ढूंढ़ लेते हैं। फ्रांस का एक लड़का लुई ब्रेल भी अलग तरह से सोच रहा था। तीन वर्ष की अवस्था में दृष्टिहीन हो गया लुई भिन्न प्रकार से पढ़ना चाहता था। दृष्टिबाधा के कारण ज्ञान के बंद दरवाजों को उसने पहचान लिया था। उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि वह केवल अपने लिए ही नहीं बल्कि प्रत्येक दृष्टिहीन के लिए बंद द्वार की चाबी ढूंढ़ कर रहेगा।

ब्रेल द्वारा लिपि इजाद करने की कहानी की शुरुआत 19वीं सदी के आरम्भिक वर्षों में हुई। लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी, 1809 को फ्रांस के कुप्रे गांव के गरीब परिवार में हुआ था। उसके पिता सिमोन ब्रेल घोड़ों की काठी व जीन बनाने का काम करते थे। एक दिन जब वे अपने कार्यस्थल पर काम कर रहे थे। तीन वर्षीय लुई चमड़े में सुराख करने के औजार सूए से खेलने लगा जिसकी नोक अचानक लुई की दाईं आंख में चुभ गई। धीरे-धीरे लुई दोनों आंखों से दृष्टिहीन हो गया। दृष्टिहीन होने के कुछ दिन लुई के लिए बहुत मुश्किलों भरे थे। लेकिन धीरे-धीरे लुई ने परिस्थितियों में अपने आप को ढाल लिया और एक भिन्न प्रकार से सामान्य जीवन जीने लगा। वह अपने दोस्तों के साथ स्कूल जाने लगा। स्कूल में अध्यापकों ने लुई की दृष्टिबाधा की क्षतिपूर्ति करने के लिए उसे स्पर्श एवं श्रवण अनुभव के जरिये पढ़ाई करवाई। बुद्धिमान व सृजनशील होने के चलते लुई पढ़ाई में आगे बढ़ता गया। लेकिन इसके बावजूद बाधाएं तो थीं। वहीं परिजन जान चुके थे कि लुई की पढ़ाई में दिलचस्पी है। उसे पेरिस में वेलेंटाइन हावे द्वारा दृष्टिहीन बच्चों के लिए चलाए जा रहे दुनिया के पहले अंध विद्यालय में भेज दिया गया। जहां हावे द्वारा छात्रों को अक्षरों की सामान्य आकृतियां किसी मोटे कागज पर उभार कर उन्हें उंगली के स्पर्श से पहचानना सिखाया जाता था। लेकिन यह विधि सीखने भर के लिए ही थी। दृष्टिहीनों की शिक्षा का आधार रटंत विद्या ही थी। जब लुई कुछ बड़े हुए तो उसी स्कूल में उन्हें सहायक अध्यापक रख लिया गया।

अपने छात्र जीवन में ही लुई ने यह अनुभव कर लिया था कि दृष्टिहीनों के लिए हावे की विधि बहुत उपयोगी नहीं है। एक नई लिपि के आविष्कार का सपना उनके मन में जन्म ले चुका था। संयोग से उन्हीं दिनों उनके विद्यालय में एक रात्रि लेखन विधि का प्रदर्शन हुआ। इस विधि के निर्माता चार्ल्स बारबियर ने यह विधि सैनिकों के लिए विकसित की थी, जिससे वे अंधेरी रात में भी संदेश छूकर पढ़ सकें। उस व्याख्यान को सुनते ही लुई के सामने मानो एक संपूर्ण लिपि के निर्माण का मार्ग खुलता हुआ दिखाई देने लगा। लुई ने हावे तथा बारबियर की विधियों के सैद्धांतिक अंतर को समझ लिया था।

लुई स्कूल हॉस्टल में रात में मोटे कागज पर बिंदुओं से अक्षर बनाते और दिन में अपने मित्रों से उनकी पहचान करवाते। रातभर काम करते, दिन में रात के काम पर चर्चा होती तथा जो त्रुटियां सामने आतीं, उन्हें फिर रात को सुधारने की कोशिश की जाती। इस विधि से लुई ने बहुत जल्दी फ्रांसीसी भाषा की वर्णमाला, विराम चिन्ह, गणित आदि की व्यवस्था को पढ़ने-लिखने वाली लिपि विकसित कर ली। उन्होंने संगीत की स्वर लिपियों पर भी सालों तक योजनाबद्ध कार्य किया। इस तरह उन्होंने अपना काम साल 1825 तक पूरा कर लिया और ब्रेल लिपि की उनकी पहली पुस्तक वर्णमाला एवं विराम चिह्न आदि विवरण के साथ 1829 में प्रकाशित हो गई। उन्होंने अपनी सोच को साकार करके दिखा दिया था कि आंखों नहीं होने के बावजूद पढ़ा और लिखा जा सकता है। दुनिया भर में ब्रेल लिपि के नाम से जानी जाने वाली यह स्पर्श लिपि छह बिंदुओं पर आधारित है। इसमें दो खड़ी रेखाएं हैं, जिनमें तीन-तीन बिंदु होते हैं। इन बिंदुओं के अलग-अलग संयोजन से 63 चिन्ह बनाए जा सकते हैं, जिन्हें वर्णों, संख्या व विराम सहित विविध प्रकार के चिन्हों के लिए प्रयोग किया जाता है। कौन जानता था कि कभी लुई ब्रेल जैसा सामान्य और दृष्टिहीन व्यक्ति इतिहास पुरुष होगा। परंतु नये विचार और उसे अमल में लाने के लिए लगन-परिश्रम से लुई ने वह कर दिखाया। जिस सूए से लुई दृष्टिहीन हो गया था, उसी सूए जैसे स्टाईलस को उसने कागज में पंच करके बिंदु उभारने के लिए इस्तेमाल किया।

लुई ब्रेल के जीवन काल में ब्रेल लिपि का प्रचार पेरिस में तो हो गया था, पर उसे औपचारिक स्वीकृति उनके जीते जी उनके अपने विद्यालय में भी नहीं मिल सकी थी। बेशक, अनौपचारिक रूप से छात्रों को ब्रेल में लिखने-पढ़ने की इजाजत दे दी गई थी। कुछ पुस्तकें भी ब्रेल लिपि में प्रकाशित करा दी गई थीं। बाद में उस लिपि को ब्रेल लिपि के नाम से न केवल मान्यता मिली, बल्कि दुनिया की सभी भाषाओं के चिन्हों का मानकीकरण किया गया। 6 जनवरी, 1852 को लुई का निधन हो गया, लेकिन उसने पूरे दृष्टिहीन समाज के लिए एक ऐसा दीप जलाया, जो उन्हें हमेशा जीवन के अंधकार से निकाल प्रकाश की दुनिया में लाता रहेगा।

आयरन की कमी बन रही डिप्रेशन की वजह

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना मौजूदा समय की प्राथमिकता है। चिंता-तनाव जैसी स्थितियों को अनदेखा करना अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को स्वस्थ जीवनशैली और आहार पर गंभीरता से ध्यान देने की सलाह देते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में भी तेजी डिप्रेशन का जोखिम बढ़ रहा है, कम उम्र में ही लोग इस समस्या के शिकार देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ चिंता-तनाव की स्थिति ही नहीं, आपके आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण भी डिप्रेशन होने का खतरा हो सकता है। इसके लिए अध्ययनों में शरीर में आयरन की कमी को एक कारण के रूप में देखा गया है। आयरन, शरीर के लिए एक आवश्यक खनिज है जो स्वाभाविक रूप से कई खाद्य पदार्थों में मौजूद होता है। आयरन हीमोग्लोबिन का एक आवश्यक घटक है। हीमोग्लोबिन वह प्रोटीन है जो पूरे शरीर में ऑक्सीजन युक्त रक्त के संचार में मदद करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों में आयरन की कमी होती है, उनमें अन्य लोगों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य विकार, विशेषतौर पर डिप्रेशन होने का खतरा अधिक हो सकता है। मस्तिष्क के बेसल गैन्ग्लिया नामक हिस्से में अन्य भागों की तुलना में अधिक मात्रा में आयरन होता है। शोध से पता चलता है कि यह हिस्सा, भावनात्मक उत्तेजनाओं में भी आवश्यक भूमिका निभाता है। यदि आपमें आयरन की कमी है तो इसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है, जो कई प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य विकारों का कारण बनती है।

एनीमिया भी बना सकता है शिकार

आयरन की कमी से हमें एनीमिया की परेशानी पेश आ सकती है। ये एक ऐसी बीमारी है जिसमें खून की कमी हो जाती है, खासकर महिलाओं में ये समस्या आम है। इसलिए रोजाना आप कुछ न कुछ ऐसी चीजें जरूर खाएं जिनमें आयरन की भरपूर मात्रा हो।

बेहतर खान-पान बढ़ाता है आयरन

शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के भोजन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो शरीर को पर्याप्त मात्रा में आयरन की पूर्ति करने में सहायक है। स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करने वालों को नियमित रूप से आयरन की आवश्यक मात्रा मिलती रहती है। लाल रंग का चुकंदर आयरन की कमी को तुरंत दूर करता है। हीमोग्लोबिन बढ़ता है। इसे सलाद के तौर पर रोज खाएं। फलों में अनार सबसे अच्छा है। हर दिन अनार का सेवन करें या फिर इसका जूस निकालकर पीएं।

भारतीय महिलाओं में ज्यादा होती है आयरन की कमी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आयरन की कमी की दिक्कत भारत, एशिया के अन्य देशों और अफ्रीका की महिलाओं में अधिक देखा जाता रहा है। यह न सिर्फ कमजोरी, थकान और कई गंभीर बीमारियों के जोखिमों को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, साथ ही इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर होता है। हमारे आहार में कई ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं जो आसानी से शरीर के लिए इस आवश्यक पोषक तत्व की पूर्ति कर सकते हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के लिए प्रतिदिन 8.7 एमजी और महिलाओं के लिए प्रतिदिन 14.8 एमजी की मात्रा में इसकी आवश्यकता होती है।

दिल की बीमारी

दिल की सेहत को हमेशा तरजीह देनी चाहिए क्योंकि भारत में हार्ट पेशेंट की संख्या लगातार बढ़ रही है। बॉडी में आयरन डेफिशियेंसी के कारण हीमोग्लोबिन की कमी होने लगती है। इसके कारण शरीर के कई हिस्सों में ऑक्सीजन सही मात्रा में नहीं पहुंच पाता जिसके कारण हार्ट का काम बढ़ जाता है और दिल की बीमारियों का खतरा पैदा हो जाता है।

विटामिन-सी का भी सेवन जरूरी

शोधकर्ताओं ने पाया कि शरीर में भोजन के माध्यम से आयरन के अवशोषण को बढ़ाने के लिए विटामिन-सी वाले आहार का सेवन करना लाभकारी हो सकता है। आयरन के अवशोषण को बढ़ाने के लिए विटामिन-सी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि विटामिन सी वाली चीजें न सिर्फ आयरन को अवशोषित करने में मददगार हैं साथ ही इसे प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए भी जरूरी माना जाता है।

हंसना मना है

मनोहर: क्या एक वाईफ अपने हसबंड को लखपती बना सकती है? गजोधर: हां, पर हसबंड करोड़पती होना चाहिए।

घर समय से पहुंचो, तो खाना गर्म और घरवाली ठंडी मिलेगी। और देर से पहुंचो, तो खाना ठंडा और घरवाली गर्म!

गर्ल: क्या कर रहे हो? बॉय: मक्खियां मार रहा हुं, गर्ल: कितनी मारी? बॉय: 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल: कैसे मालुम? बॉय: क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

मां: सो जा वरना गब्बर आ जायेगा, बच्चा: पहले 100 रुपए दे दो, मां: क्यों? बच्चा: वरना मै पापा को बता दूंगा की रोज रात को यहां गब्बर आता है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी: रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति: चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहो।

कहानी | कौवों की गिनती

एक सुबह बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और बगीचे में घूमने के लिए चले गए। वहां पर बहुत सारे पक्षी आवाज कर रहे थे। अचानक बादशाह अकबर की नजर एक कौवे पर पड़ी और उनके मन में शरारत सूझी। उन्होंने बीरबल से कहा कि मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारे राज्य में कुल कितने कौवे हैं। यह सवाल थोड़ा अटपटा जरूर था, लेकिन फिर भी बीरबल कहा कि महाराज मैं आपके इस प्रश्न का जवाब दे सकता हूं, लेकिन मुझे थोड़ा समय चाहिए। अकबर ने मन ही मन मुस्कुराते हुए बीरबल को समय दे दिया। कुछ दिनों के बाद बीरबल दरबार में आए, तो शहंशाह अकबर से पूछा कि बोलो बीरबल कितने कौवे हैं हमारे राज्य में। बीरबल बोले कि महाराज हमारे राज्य में करीब 323 कौवे हैं। यह सुनते ही सभी दरबारी बीरबल को देखने लगे। फिर बादशाह अकबर बोले कि अगर हमारे राज्य में कौवों की संख्या इससे ज्यादा हुई तो? बीरबल बोले कि हो सकता है कि महाराज कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों के यहां आए हों। इस पर बादशाह अकबर ने कहा कि अगर कम हुए तो? तब बीरबल बोले कि हो सकता है कि हमारे राज्य के कौवे दूसरे देश अपने रिश्तेदारों के यहां गए हों। जैसे ही बीरबल ने यह बात कही पूरा दरबार ठहाकों से गूंज उठा और एक बार फिर बीरबल अपनी बुद्धि के कारण प्रसंशा के पात्र बन गए।

कहानी से सीख: बच्चों, इस कहानी से यह सीख मिलती है कि अगर दिमाग का इस्तेमाल किया जाए, तो हर समस्या का हल और सवाल का जवाब ढूंढा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

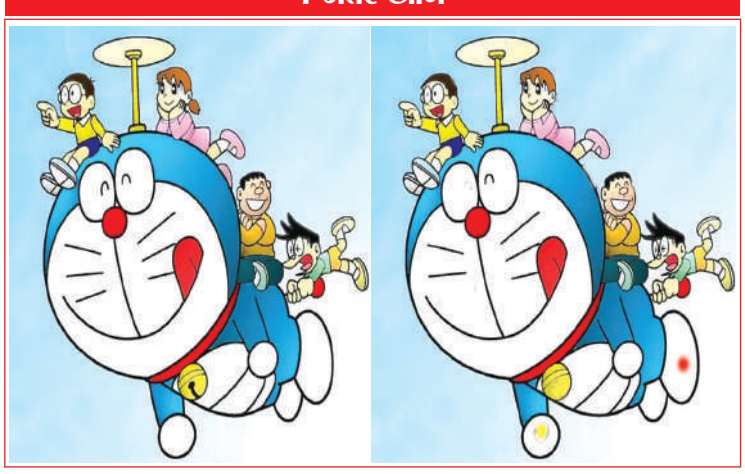

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यवसाय कर रहे लोगों को लागत से ज्यादा मुनाफा प्राप्त होगा। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें।

वृषभ

अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए व्यक्तिगत संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें।

मिथुन

जो चीजें आपके कंट्रोल के बाहर थीं। आज वो नियंत्रण में हो सकती हैं। धन लाभ के बड़े मौके भी मिल सकते हैं। पैसों के मामलों में अच्छी सफलता के योग बन रहे हैं।

कर्क

आज किसी काम को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है। आप जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। ऑफिस में दिन सामान्य बीतेगा।

सिंह

आज उत्साह में वृद्धि होगी। रोजगार क्षेत्र के लोगों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। आज अपनी वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता है।

कन्या

आपका तनाव काफी हद तक खत्म हो सकता है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगी, लेकिन साथ ही खर्चों में भी इजाफा होगा।

तुला

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में कुछ बदलाव आने की संभावना है। आलस्य के कारण आपके कुछ जरूरी काम छूट सकते हैं।

वृश्चिक

पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है। किसी खबर का इंतजार है तो वो आज मिल सकती है। जीवन साथी के साथ एक संभावित झगड़ा हो सकता है।

धनु

तनाव से बचने के लिए अपना क़ीमती वक्त बच्चों के साथ गुजारें। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी, लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक पक्ष में उतार चढ़ाव बना रहेगा। इस राशि के कारोबारियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

कुम्भ

विवाह इच्छुक व्यक्तियों को जीवनसाथी मिलने का आज योग है। कार्यस्थल पर अपने स्वभाव पर नज़र रखना महत्वपूर्ण है वरना आपको इसके लिए बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

मीन

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में भाग्य का पूरा-पूरा साथ मिल सकता है। व्यावसायिक प्रगति के लिए आज का दिन अनुकूल है।

गदर-2 की पहली झलक देख फिल्म के लिए बढ़ी बेसब्री

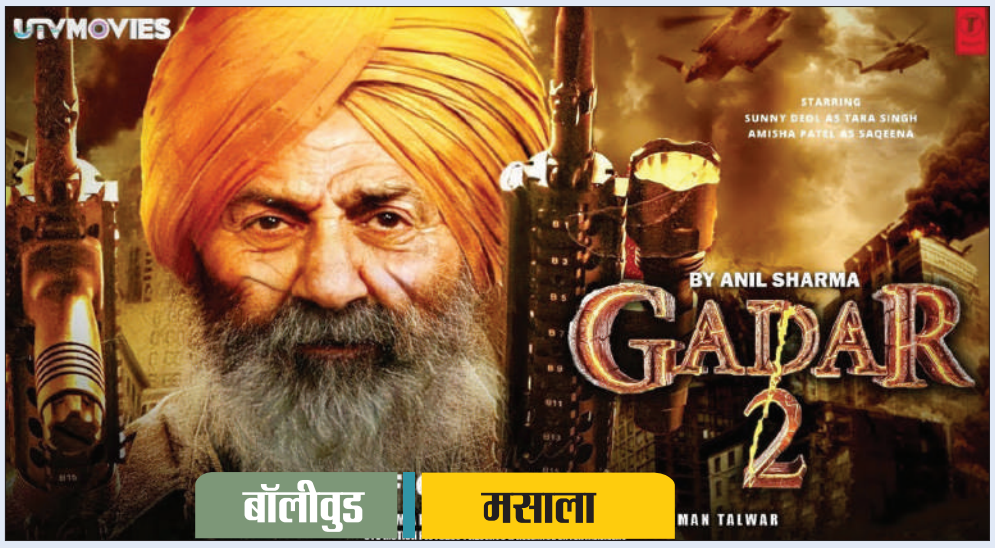

बॉलीवुड | मसाला

सनी देओल की 2001 में रिलीज हुई फिल्म गदर ने दर्शकों के दिलों पर ऐसी छाप छोड़ी कि आज भी फिल्म के लिए वैसा ही प्यार देखने को मिलता है। अब 22 साल बाद इसके सीक्वल का ऐलान किया गया है, इसके बाद से ही फैंस में फिल्म के लिए काफी बेसब्री से देखने को मिल रही है। गदर 2 इसी साल बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। हालांकि, इसकी रिलीज डेट का अब तक ऐलान नहीं है, लेकिन अब फिल्म से सनी देओल की पहली झलक देखने को मिली है।

दरअसल, जी स्टूडियो ने 2023 में अपना प्लान बनाते हुए 50 सेकंड का एक वीडियो ट्वीट किया है। इसमें इस साल रिलीज होने वाली कई छोटी-बड़ी फिल्मों की झलक देखने को मिली है। इसी क्लिप में कुछ सेंकड्स के लिए गदर 2 से सनी देओल की झलक भी दिखी है। अब इस मोस्ट अवेटेड फिल्म के एक लुक ने ही दर्शकों के बीच धमाल मचा दिया है। इस क्लिप में सनी देओल काफी गुस्से में दिखाई दे रहे हैं और उनके आस-पास काफी लोग नजर आ रहे हैं।

क्लिप में देखा जा सकता है कि सनी देओल ने बैलगाड़ी का पहिया हाथ में उठाया हुआ है। बता दें कि पहली फिल्म में सनी हैंडपंप उखाड़ते हुए दिखे थे। उनका वो सीन और इस फिल्म के डायलॉग्स आज भी अक्सर लोगों की जुबां से सुनने को मिल जाते हैं। ऐसे में अब एक बार फिर से गदर 2 में सनी का वैसा ही दमदार अंदाज देखने को मिलने वाला है। यही कारण ही फिल्म के काफी उत्सुकता दोगुनी हो गई है। इस क्लिप के सामने आते ही हर किसी की नजरें गदर 2 की झलक पर ही टिक गई है। गौरतलब है 2001 में अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म गदर में सनी देओल के साथ अमीषा पटेल को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा गया था।

बॉलीवुड | मन की बात

कृष्णम राजू को याद कर छलके प्रभास के आंसू

साउथ के सुपरस्टार प्रभास आजकल किसी न किसी शो का हिस्सा बनते रहते हैं। हाल ही में, प्रभास अनस्टॉपेबल विद एनबीके सीजन 2 में गए, जहां वह मस्ती मजाक करते नजर आए, लेकिन आगामी एपिसोड में अभिनेता को अपने दिवंगत चाचा अभिनेता कृष्णम राजू को याद करते हुए काफी भावुक होते देखा गया। यही नहीं, उन्होंने अपने चाचा के लिए शो में कुछ भावुक बातें भी कीं। आगामी एपिसोड के प्रोमो में प्रभास अपने चाचा को याद करते हुए, उनके बारें में कुछ ऐसी बातें कीं जिसे सुनकर फैंस भी भावुक हो गए। प्रभास कहते हैं, आज हम जो कुछ भी हैं उन्हीं की वजह से हैं। हम उनके एहसानमंद हैं। वे अपने संघर्ष के दिनों मद्रास आ गए और 10-12 साल तक खलनायक के रूप में काम किया और फिर अपना बैनर शुरू किया और महिला प्रधान कहानियों के साथ इतिहास रचा। हमारा पूरा परिवार उन्हें बहुत याद करता है। अभिनेता कृष्णम की मौत के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, वह एक महीने से बीमार थे, और मैं उस दौरान अस्पताल में था और लगातार डॉक्टरों के संपर्क में था। वहीं प्रभास के साथ मौजूद बालकृष्ण ने कहा, मैं उस पल को मिस कर रहा था क्योंकि उस समय मैं एक शूट के लिए तुर्की में था और जब मुझे यह खबर मिली तो मैं खुद को रोने से रोक नहीं पाया। आपको बता दें कि 20 जनवरी, 1940 को पश्चिम गोदावरी जिले के मोगलथुर में जन्मे कृष्णम राजू ने 1966 में चिल्का गोरिंका के साथ अपनी शुरुआत की। उन्होंने अपनी ज्यादातर फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई। फिल्म अवेकल्लू में उनके अभिनय कौशल की बहुत तारीफ की। इसके अलावा इस फिल्म ने उन्हें बहुत प्रसिद्धि दिलाई। हंथाकुलु देवांथाकुलु, भक्त कन्नप्पा, थंद्रा पपरायुडु आदि फिल्मों ने उन्हें अभिनय की दुनिया का मशहूर खलनायक बना दिया।

अब ओटीटी पर भी जादू बिखेरेंगी अनन्या

इस सीरीज में अरबपति फैशन ऑइकन का किरदार निभायेंगी

चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे के हॉट लुक्स, स्टाइल और फैशन चर्चा का विषय बने रहते हैं। हालांकि इस बार एक्ट्रेस अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर खबरों में छाई है। दरअसल अनन्या पांडे ने साल 2023 में ओटीटी पर धमाल मचाने की पूरी तैयारी कर ली है। फैंस को उनके ओटीटी डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने जा रही वेब सीरीज कॉल मी बे से अपना ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। अनन्या पांडे को बॉलीवुड में करण जौहर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से लॉन्च किया था। अब वो ही एक्ट्रेस को ओटीटी पर लेकर आ रहे है और उनके करियर की नैया पार लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

अनन्या पांडे इस वेब सीरीज में एक अरबपति फैशन ऑइकन का किरदार निभाती हुई नजर आने वाली हैं, जिसे एक घोटाले के बाद उसकी फैमिली खुद से दूर करके लावारिस छोड़ देती है। सीरीज में दर्शकों के लिए कई और मजेदार ट्विस्ट हैं। सीरीज कॉल मी बे का डायरेक्शन कॉलिन डी कुन्हा कर रहे हैं। एक्ट्रेस और करण को इस सीरीज से काफी उम्मीदें हैं। अनन्या पांडे की आने वाली इस वेब सीरीज कॉल मी बे को ओटीटी दर्शकों के लिए अमेजान प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।

'कायाकल्प' में छिपा है जवान और खूबसूरत बने रहने का राज

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा जवान और सुंदर बना रहे। लेकिन ऐसा मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है। आज हम आपको ऐसे ही एक राज के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपको हमेशा जवान और खूबसूरत बनाए रखेगा। ये राज हमारे देश में ही छिपा हुआ है। दरअसल, हरियाणा में एक ऐसी जगह है जहां हमेशा जवान और खूबसूरत बने रहने का राज छिपा है। ये स्थान अरावली पर्वत श्रृंखला के पास मौजूद धोसी पहाड़ी पर है। दरअसल अरावली पर्वत श्रृखला में पायी जाने वाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी कायाकल्प है। बता दें कि कायाकल्प ऐसी औषधि है, जिससे त्वचा तो अच्छी होती ही है साथ ही स्वास्थ्य भी दिनों दिन अच्छा होता जाता है। आयुर्वेद में सबसे महान खोज च्यवनप्राश को माना जाता है, किन्तु ये कम लोग ही जानते हैं कि च्यवनप्राश जैसी आयुर्वेदिक दवा धोसी पहाड़ी की देन है। बता दें कि धोसी पहाड़ी अरावली पर्वत श्रृंखला के अंतिम छोर पर उत्तर-पश्चिमी हिस्से में एक सुप्त ज्वालामुखी है। यह उत्तरी अक्षांश और पूर्वी देशान्तर पर स्थित इकलौती पहाड़ी है। ये पहाड़ी कई महत्वपूर्ण और रहस्यमयी वजहों से चर्चित है। इस पहाड़ी का जिक्र विभिन्न धार्मिक पुस्तकों में भी मिलता है। बता दें कि इस ज्वालामुखी में हजारों साल से कोई विस्फोट नहीं हुआ है। धोसी पहाड़ी दक्षिण हरियाणा एवं उत्तरी राजस्थान की सीमाओं पर स्थित है। इस पहाड़ी का हरियाणा वाला हिस्सा महेंद्रगढ़ जिले में स्थित है और सिंघाणा मार्ग पर नारनौल से करीब पांच किलोमीटर दूर है। वहीं इस पहाड़ी का राजस्थान वाला भाग झुंनझुंनू में जिले में स्थित है। भूगर्भशास्त्रियों का कहना है कि पिछले 2 मिलियन सालों में अरावली पर्वत श्रृंखला में कोई ज्वालामुखी विस्फोट नहीं हुआ है। इसलिए इसे ज्वालामुखी संरचना मानना उचित नहीं है। लेकिन इस पर पाई जाने वाली कई जड़ी-बूटियों से गंभीर से गंभीर बीमारी का भी इलाज हो जाता है।

अजब-गजब | लोगों के आक्रोश को देखकर सर्कस मालिक ने उठाया था कदम

अमेरिका में हाथी को दी गई फांसी की सजा

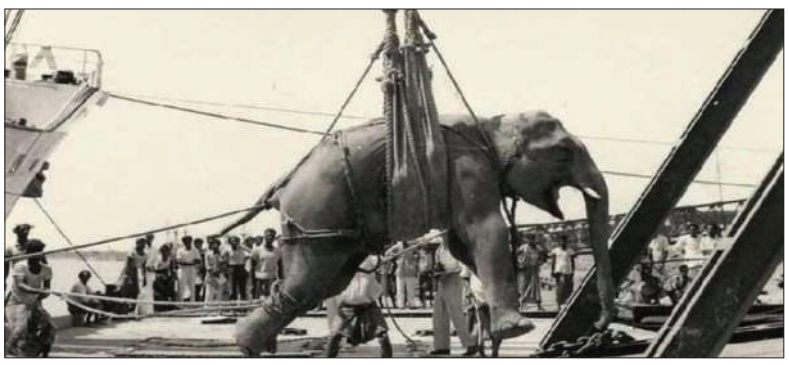

दुनियाभर में आज भी किसी बड़े जुर्म के लिए अपराधी को मौत की सजा दी जाती है। जिसके लिए उन्हें फांसी पर लटका दिया जाता है। या बिजली का करंट देकर मौत की नींद सुला दिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इंसान ही नहीं बल्कि एक जानवर को भी फांसी की सजा दी गई थी? दरअसल, आज से करीब 106 साल पहले अमेरिका में एक हाथी को सरेआम फांसी पर लटका दिया गया था। यही नहीं हाथी की फांसी की सजा को अमेरिका में बड़ी संख्या में लोगों ने समर्थन किया था।

बात 13 सितंबर 1916 है जब अमेरिका के टेनेसी राज्य में मैरी नाम के एक हाथी को फांसी पर लटका दिया गया। इस दौरान दो हजार लोग हाथी को फांसी के फंदे पर झूलता हुआ देखने को पहुंचे थे। हाथी को फांसी देने की सजा के पीछे बहुत अजीब कहानी है। बताया जाता है कि चार्ली स्पार्क नाम का एक शख्स टेनेसी में स्पार्क्स वर्ल्ड फेमस शो नाम का एक सर्कस चलाता था। उस सर्कस में कई जानवर थे, जिसमें मैरी नाम का एक एशियाई हाथी भी शामिल था। उसका वजन करीब पांच टन था। बताया जाता है कि मैरी उस सर्कस का मुख्य आकर्षण था। कहा जाता है कि एक दिन मैरी के महावत ने किसी वजह से सर्कस छोड़ दिया। उसके बाद सर्कस के मालिक ने एक दूसरे महावत को रख लिया। नए महावत को हाथी मैरी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। साथ ही मैरी ने भी महावत के साथ ज्यादा समय नहीं बिताया था। इसलिए मैरी को कंट्रोल करने में महावत को परेशानी होने लगी। इसी बीच एक दिन सर्कस के प्रमोशन के लिए शहर में परेड का आयोजन किया गया, जिसमें मैरी समेत कई जानवर और सर्कस के सभी कलाकार शामिल हुए। इस दौरान शहर के बीचों-बीच परेड निकाली गई। परेड के दौरान रास्ते में मैरी को कुछ खाने-पीने की चीजें दिख गई। जिसके लिए वह तेजी से आगे बढ़ने लगा।

उसके बाद नए महावत ने मैरी को रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। इस दौरान महावत ने उसके कान के पीछे भाला मार दिया, जिससे हाथी तिलमिला उठा और गुस्से में उसने महावत को नीचे पटककर मार डाला। यह घटना देख कर लोग इधर-उधर भागने लगे। वहीं कुछ लोगों ने हाथी को मार डालने के नारे लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। हालांकि उस समय तो यह मामला शांत हो गया, लेकिन अगले दिन अखबारों में इस घटना को प्रमुखता से छापा गया, जिसके बाद घटना पूरे शहर में तेजी से फैल गई।

शहर के लोग सर्कस के मालिक चार्ली स्पार्क से हाथी मैरी को मृत्युदंड देने की मांग करने लगे। आखिर में लोगों की जिद के आगे चार्ली स्पार्क को झुकना पड़ा और उन्होंने मैरी को मृत्युदंड देने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने 100 टन का वजन उठाने वाली एक क्रेन मंगवाई और 13 सितंबर 1916 को क्रेन की मदद से हाथी को हजारों लोगों के बीच फांसी पर लटका दिया गया।

कड़ाके की ठंड में बदइंतजामी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

सरकार ने गरीब को मरने के लिए छोड़ दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण ठंड से गरीबों और निराश्रित को बचाने के लिये पर्याप्त बंदोबस्त नहीं किये हैं। श्री यादव ने कहा कि कड़ाके की ठण्ड से जनजीवन बेहाल है। गरीब जनता से लेकर आम लोगों को जान बचाने के लाले पड़ गए है। पूरे प्रदेश में सर्दी की चपेट में आने से दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार की तरफ से लोगों को सर्दी से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। भाजपा सरकार ने लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकारी आदेश सिर्फ दिखावटी है। रैन बसेरे कहीं भी दिखाई नहीं देते हैं। न कहीं अलाव का इंतजाम है और न कहीं गर्म कपड़े और कम्बल का वितरण हो रहा है। एक तरफ मौसम का सितम दूसरी तरफ सरकारी संवेदनहीनता गरीबों की जान पर भारी पड़ रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार में गरीबों और आम लोगों को कम्बल और गर्म कपड़ों का वितरण कराया जाता था। शहरों, गांवों, नुक्कड़ और चौराहों पर अलाव जलाया जाता था। लेकिन इस सरकार में सिर्फ जुबानी आदेश जारी करने के अलावा कहीं कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि शीतलहर में इन दिनों किसानों की जान आफत में है। आवारा पशुओं से फसल बचाने के लिए किसानों को खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। खुले खेतों में ठंड से कंपकपाते किसानों का दर्द इस भाजपा सरकार को महसूस नहीं हो रहा है। भाजपा सरकार को गरीबों की कतई फिक्र नहीं है, उसे तो बस बड़े धनी लोगों की सुविधाओं की ही चिंता है। भाजपा सरकार ने जिस तरह कोरोना संक्रमण काल में लोगों को अनाथ छोड़ दिया था उसी तरह आज केवल रेड एलर्ट जारी कर सरकार हाथ पर हाथ धर कर गर्म एसी के कमरों में आराम कर रही है।

जैन समाज पर एफआईआर करना सरकार का दमनकारी रवैया : डिंपल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झारखंड। झारखंड में जैन समुदाय के तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित किये जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में प्रतिवेदनों पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग 17 जनवरी को सुनवाई करेगा। वहीं श्री सम्मेद शिखरजी को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बाद उनकी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव का बयान आया है।

डिंपल यादव ने ट्वीट कर लिखा, शांतिप्रिय जैन समाज का अपने पावन शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी को बीजेपी सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में सड़कों पर आना एवं शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन करने पर बीजेपी सरकार द्वारा उन पर एफआइआर करना अन्याय है। उन्होंने कहा, जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज जी का अपने तीर्थ को बचाने के लिए प्राण दे देना अत्यंत दुखदायी है। बीजेपी जैन तीर्थों की पवित्रता भंग न करे। हम जैन समाज की मांग के साथ हैं। शांतिप्रिय जैन समाज का अपने पावन शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी को भाजपा सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में सड़कों पर आना एवं शांतिपूर्ण तरीक़े से विरोध-प्रदर्शन करने पर भाजपा सरकार द्वारा उन पर एफ़आइआर करना अन्याय है।

बिहार में रोजगार का राज है जंगलराज नहीं : तेज प्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जंगलराज लौटने के भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के दावे के अगले दिन राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप यादव ने पलटवार करते हुए कहा, बिहार नौकरी देने वाला राज्य बनता जा रहा है और इसलिए यहां रोजगार का राज है न कि जंगलराज।

उन्होंने कहा, कौन कह रहा है कि बिहार में जंगलराज है? यहां जंगलराज नहीं, बल्कि रोजगार का राज है। बिहार में परमिट आधारित शराब व्यवस्था की वकालत करने वाले पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के बयान पर तेजप्रताप यादव ने कहा कि बिहार में शराब पर प्रतिबंध है और यह रहेगा।

उन्होंने कहा, अगर कोई शराब पीता है और मर जाता है, तो राज्य सरकार उसे मुआवजा नहीं देगी। जब प्रतिबंध है, तब मुआवजा कैसा? अगर मैं किसी को शराब पीते हुए देखता हूं, तो मैं उसे पकड़ लेता हूं

और अपने निजी वाहन से उसे जेल भेज देता हूं। तेज प्रताप ने कहा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शराब सेवन जैसी सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए समाधान यात्रा निकालने जा रहे हैं। मैं उन्हें उनके प्रयास और यात्रा के लिए बधाई देता हूं।

गुजरात में मिली हार का आंकलन करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात में हाल में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों का मूल्यांकन करने और उपाय सुझाने के लिए एक खोज समिति का गठन किया।

नितिन राउत की अध्यक्षता वाली समिति और सदस्यों के रूप में डॉ. शकील अहमद खान और सप्तगिरी शंकर उलाका को शामिल करते हुए समिति दो सप्ताह के भीतर खड़गे को एक रिपोर्ट सौंपेगी। इन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा और पार्टी ने आरोप लगाया है कि ऐसा सत्ताधारी दल के धन और बाहुबल के साथ-साथ राज्य मशीनरी के खुले दुरुपयोग के कारण हुआ है और चुनाव आयोग कांग्रेस द्वारा दर्ज की गई शिकायतों पर मूकदर्शक बना रहा।

गंगासागर द्वीप को राष्ट्रीय कार्यक्रम घोषित करे केन्द्र : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में गंगासागर मेले की जानबूझकर उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

ममता बनर्जी ने मेगा इवेंट के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए सागर द्वीप की अपनी यात्रा के दौरान कहा-केंद्र सरकार कुंभ मेले के लिए सभी सहायता और व्यय प्रदान करती है। लेकिन वह गंगासागर मेले के लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करते हैं। गंगासागर मेले का पूरा खर्च राज्य द्वारा वहन किया जाता है। मैं केंद्र सरकार से गंगासागर द्वीप को राष्ट्रीय कार्यक्रम घोषित करने का अनुरोध करती हूं।

नौ दिवसीय धार्मिक समागम 9 जनवरी से शुरू होगा और 17 जनवरी तक चलेगा, मकर संक्रांति के अवसर पर पवित्र डुबकी 14 और 15 जनवरी को लगाई जाएगी। राज्य प्रशासन इस बार गंगासागर मेले में रिकॉर्ड

लगभग 30 लाख तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद कर रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोगों को अभी भी गंगासागर मेले में भाग लेने के लिए जलमार्ग से यात्रा करनी पड़ती है, जबकि प्रयागराज में आयोजित होने वाला कुंभ मेला रेल और हवाई मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा- मैंने बार-बार केंद्र सरकार से इस मामले को देखने की अपील की है लेकिन मुझे अभी तक कोई ठोस प्रतिबद्धता नहीं मिली है। यहां मुरी गंगा नदी पर एक पुल के निर्माण की आवश्यकता है। इसमें लगभग 10,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लेकिन हम अभी भी केंद्र सरकार की तरफ देख ही रहे हैं।

सड़क हादसे में राकांपा नेता धनंजय मुंडे घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता धनंजय मुंडे कल तड़के अपने गृह जिले बीड में एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। वरिष्ठ नेता के सहयोगियों ने यह जानकारी दी। हादसे में 47 वर्षीय मुंडे के सीने और हाथ-पैर में चोटें आईं। उन्हें दोपहर में एयर एंबुलेंस से मुंबई ले जाया गया और ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

धनंजय मुंडे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दुर्घटना की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, परली शहर में मेरा वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मामूली दुर्घटना हुई है। मेरे बारे में चिंता की कोई बात नहीं है। राकांपा नेता ने कहा कि अपने निर्वाचन क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रमों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के एक दिन बाद घर लौटते समय चालक के वाहन से नियंत्रण खो देने के बाद मेरी कार परली के आजाद चौक पर एक छोटी सी दुर्घटना का शिकार हो गई।

पुलिस ने रोका चंद्रबाबू नायडू का रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के कुप्पम शहर में उस वक्त तनाव पैदा हो गया, जब पुलिस ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू को रोड शो करने और जनसभा को संबोधित करने से रोक दिया। आंध्र-कर्नाटक सीमा के पास पेद्दुरु गांव में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ, सड़कों पर सभाओं पर रोक लगाने के पिछले दिन जारी एक सरकारी आदेश का हवाला देते हुए पुलिस ने नायडू के काफिले को रोक दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री की एक पुलिस अधिकारी से तीखी बहस हुई और उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने किस कानून के तहत आदेश जारी किया है। विपक्ष के नेता ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार की चित्तूर जिले में उनके विधानसभा क्षेत्र कुप्पम की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के लिए आलोचना की। इस दौरान तेदेपा कार्यकर्ताओं की पुलिस

से झड़प हुई, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। शाम करीब चार बजे बेंगलुरु से जेपी कुटुरु गांव पहुंचे नायडू का बड़ी संख्या में तेदेपा समर्थकों ने स्वागत किया। इसके बाद वह एक काफिले के साथ निकले, लेकिन उन्हें पेद्दुरु गांव में रोक दिया गया। डीएसपी सुधाकर रेड्डी ने तेदेपा नेता को बताया कि रोड शो और रैली की अनुमति नहीं है। नाराज नायडू अपनी कार से उतरे और पुलिस अधिकारी के साथ तीखी बहस की। तेदेपा कार्यकर्ताओं ने काफिले को रोकने के लिए पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को हटाने की कोशिश की। वह पुलिस से भिड़ गए, जिसके बाद लाठी चार्ज किया गया।

अब आपको नहीं दिखेंगे चारबाग कैसरबाग और आलमबाग बस अड्डे

» स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से पहचाने जाएंगे राजधानी के सभी बस स्टेशन

» जल्द ही प्रदेश के बाकी जिलों में भी बदले जाएंगे नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब आप उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से कहीं बाहर जाने के लिए चारबाग, कैसरबाग, आलमबाग और अवध बस स्टेशन से बस नहीं पकड़ पाएंगे। जी हां, सही सुना आपने। दरअसल, राजधानी लखनऊ की पहचान बन चुके चारबाग-कैसरबाग समेत इन बस अड्डों का अब नाम बदल दिए जाएं। अब ये बस अड्डे स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से पहचाने जाएंगे। इस नई योजना के तहत अब लखनऊ का चारबाग बस अड्डा आने वाले दिनों में पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और कैसरबाग बस अड्डा बेगम हजरत महल के नाम से जाना जाएगा। इसी तरह आलमबाग बस अड्डा वीरांगना ऊदा देवी और अवध बस अड्डा ठाकुर रौशन सिंह के नाम से पहचाना जाएगा।

ये सिलसिला सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि प्रदेश के तमाम बस अड्डों के लिए चलेगा। आने वाले दिनों में प्रदेश के कई बस अड्डों के नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महापुरुषों के नाम से जाने जाएंगे। लखनऊ के इन 4 बस अड्डों का नाम बदलने के लिए डीएम की अध्यक्षता में बनी समिति ने अपनी रिपोर्ट परिवहन निगम को भेज दी है। अब इस रिपोर्ट को शासन में भेजा जाएगा जिसके बाद बस अड्डे के नामकरण की प्रक्रिया पूरी होगी।

परिवहन विभाग ने अक्टूबर में ये फैसला लिया था कि प्रदेश के सभी बस अड्डों के नाम के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर किया जाएगा। इसके बाद 15 अक्टूबर को प्रमुख सचिव परिवहन ने इसे लेकर पत्र लिखा था। 25 नवंबर को लखनऊ में डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति ने इसे लेकर बैठक की और लखनऊ के 4 बस अड्डों का नामकरण करने की संस्तुति की।

असल में सरकार की मंशा है कि लोग और भावी पीढ़ियां इन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के इतिहास और उनकी कुर्बानी को जाने। उन्हें पता चले कि देश की आजादी के लिए किस तरह इन लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी।

बस अड्डों को लेकर मिल गई जिला प्रशासन से रिपोर्ट

परिवहन निगम के लखनऊ के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि लखनऊ के बस अड्डों को लेकर जिला प्रशासन से रिपोर्ट मिल गई है। इस क्षेत्र के अधीन अन्य जिलों की रिपोर्ट भी जल्द ही आ जाएगी। इसके बाद यह सभी रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएंगी। बस अड्डों का नामकरण करने के लिए अंतिम निर्णय शासन स्तर से लिया जाएगा।

पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध हालात में मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। जिले के पिसावां में बसपा के सेक्टर अध्यक्ष की हत्या में नामजद शख्स की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजन पुलिस की पिटाई से मौत की बात कह रहे हैं, वहीं पुलिस का दावा है कि थाने ले जाते समय रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई थी और जिला अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इटावा थाना क्षेत्र के जिगनिया निवासी राम लोटन (58) बसपा के सेक्टर अध्यक्ष थे। मंगलवार रात उसका शव गांव के चकमार्ग पर पड़ा मिला था। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को तहरीर के आधार पर हिरासत में लिया था। इनमें से ही एक राजू (45) निवासी जिगनिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि थाने में पिटाई से राजू की मौत हुई है जबकि अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एनपी सिंह का कहना है कि राजू को पुलिस हिरासत में थाने ले जाया जा रहा था। रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई। इस पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिसावां ले जाया गया, जहां से चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सक ने राजू को मृत घोषित कर दिया। शव को मॉर्चरी में रखवा दिया गया है।

भगवा नहीं आधुनिक वस्त्र धारण करें योगी आदित्यनाथ: कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अगले महीने होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री यागी आदित्यनाथ दो दिनों के मुंबई दौरे पर हैं। भाजपा के कई नेता जहां सीएम योगी के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने इसपर हमला बोला है।

कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने कहा कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ व्यवसायों को यहां से ले जाने के बजाय यूपी में विकसित करना चाहिए। उन्हें भगवा वस्त्रों के स्थान पर आधुनिक वस्त्र धारण करने चाहिए क्योंकि उद्योग आधुनिकता का प्रतीक है।

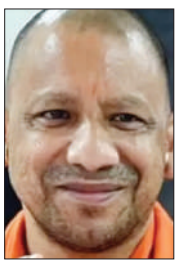

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुंबई में यूपी मूल के लोगों से संवाद के दौरान कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश चुनौतियां देखकर पलायन नहीं करता, बल्कि डटकर उनका सामना करता है। हर यूपी वासी को अपनी पहचान पर गर्व है।

पांच बार के विधायक कुलदीप सिंह बने हिमाचल विधानसभा के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पांच बार के विधायक कुलदीप सिंह पठानिया को हिमाचल प्रदेश विधानसभा का 16वां अध्यक्ष चुना गया है। हिमाचल प्रदेश की चौदहवीं विधानसभा के शीत सत्र के दूसरे दिन आज सदन में 11:00 बजे के बाद तीन प्रस्ताव कुलदीप सिंह पठानिया को विधानसभा अध्यक्ष बनाने के लिए रखे गए। इस दौरान प्रोटेम स्पीकर चंद्र कुमार ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पहला प्रस्ताव पेश किया कि कुलदीप सिंह पठानिया विधानसभा अध्यक्ष होंगे। इसका अनुमोदन नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा विधायक दल की ओर से किया।

दूसरा प्रस्ताव उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पेश किया। इसका अनुमोदन शिलाई के विधायक हर्षवर्धन चौहान ने किया। इसके बाद सोलन के कांग्रेस विधायक धनीराम शांडिल ने तीसरा प्रस्ताव पेश किया। इसका अनुमोदन सुलाह के विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने किया। प्रस्ताव पारित होने के बाद कुलदीप सिंह पठानिया को सुक्खू और जयराम ठाकुर ने आसन पर बिठाया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू और जयराम ठाकुर दोनों ने पठानिया को शुभकामनाएं दीं। भटियात से पांचवीं बार के विधायक कुलदीप सिंह पठानिया ने अपना पहला चुनाव वर्ष 1985, दूसरा 1993, तीसरा 2003 और चौथा चुनाव 2007 में जीता था।

फोटो: 4पीएम

पुष्पांजलि नगर निगम के सामने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के जन्मदिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करतीं मेयर संयुक्ता भाटिया।

पनकी में शार्ट सर्किट से चप्पल सोल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया तीन नंबर में जी-60 स्थित एक चप्पल सोल फैक्ट्री में शार्ट सर्किट के चलते आज तड़के भीषण आग लग गई। कंट्रोल रूम की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि इस दौरान लाखों का माल जलकर स्वाह हो गया। गनीमत रही कि आग ज्यादा विकराल होती, इससे पहले ही उस पर काबू पा लिया गया।

काकादेव शास्त्री नगर निवासी संतोष कुमार की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया भाग तीन में रबर ग्राइंडिंग के नाम से चप्पल सोल की फैक्ट्री है। गुरुवार तड़के फैक्ट्री के अंदर लगे इलेक्ट्रिक पैनल में शार्ट सर्किट हुआ। जिससे निकली चिंगारियों ने वहां रखी माल पैकिंग की जाने वाली पालिथीन को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके चलते आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते इलेक्ट्रिक पैनल के दूसरी ओर जमा सोल कटिंग से निकली रबर को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। जिसके बाद फैक्ट्री से ऊंचे-ऊंचे आग के गोले उठने लगी।

फैक्टरी को आग से धधकात देख दहशत में आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे कर्मचारी भी बाहर आ गए। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल की 10 गाड़ियों ने करीब दो घंटे के अथक प्रयास के बाद पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। हालांकि आग बुझने के बाद भी फैक्ट्री से काला जहरीला धुंआ उठता रहा। जिसे रोकने के लिए दमकल की गाड़ियां निरंतर प्रयास में लगी हुई हैं। पनकी एसीपी निशांक शर्मा ने बताया कि फैक्ट्री में रखे अन्य ज्वलनशील माल को समय रहते हटा लिया गया। वही दमकल की गाड़ियों ने भी मौके पर पहुंचकर पूरी तरह से आग पर काबू पा लिया गया है। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।